[श्री चन्द्रपाल शैलानी]

वीडियों प्रदर्शन के साथ-साथ वीडियों लाइब्रेरियां अचानक दर्जनों की संख्या में खुल गई हैं। ये लाइब्रेरियां दो सौ रुपये वार्षिक सदस्यता शुल्क के रूप में लेती हैं और पंद्रह रुपये प्रतिदिन की दर से वीडियों कैसेट तथा डेढ़ सौ रुपये प्रतिदिन की दर से वीडियो कैसेट रिकार्डर किराए पर देती हैं। इस अवैद्य वीडियो व्यापार के कारण केवल उ. प्र. सरकार को कम दस करोड़ रु. वार्षिक की क्षति उठानी पड़ रही है किन्तु मनोरंजन कर विभाग इस दिशा में कुछ भी नहीं कर रहा है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि ऐसी फिल्मे देखने और दिखाने वालों तथा इस प्रकार के अवैध धंधों में लगे लोगों के खिलाफ तुरन्त कड़े कानून बना कर कार्यवाही की जाए।

(iv) Need For Setting Up Industries In Gorakhpur (Uttar Pradesh) To Remove Poverts From That Area.

श्री महावीर प्रसाद (बांसगांव) : आप के माध्यम से केन्द्रीय सरकार का ध्यान मैं संसदीय निर्वाचन क्षेत्र बांसगांव, गोरखपुर के पिछड़ेपन एवं गरीबी को दूर करने के लिए विशेष रूप से औद्योगीकरण की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ। यहाँ प्रत्येक वर्ष घाघरा, कुआनो, तरेना, गनगरी, राप्ती एवं गौरां नदियां से बाढ़ आया करती है और इस भयंकर बाढ़ से लाखों लोग बेघर हो जाते हैं और रोजी रोटी के लिए दर दर मार खाते हैं एवं सूखा भी भयंकर रूप से प्रभावित करता रहता है। फलस्वरूप कृषि कम हो जाती है। इस कमी के कारण आबादी का भार कृषि पर अधिक हो जाने से अधिकांश लोग भुखमरी के शिकार हो जाते हैं। इसी से प्रभावित हो कर प्रान्तीय सरकार ने मेरे निर्वाचन क्षेत्र को पिछड़ा हुआ क्षेत्र घोषित किया है। लेकिन इस घोषणा के बाद भी राज्य सरकार ने इस विषय पर अभी तक ध्यान नहीं दिया है। इसी संदर्भ में गत वर्ष मैंने केन्द्रीय सरकार से भी निवेदन किया था कि इसे पिछड़ा क्षेत्र घोषित करके उद्योग लगाए। लेकिन अभी तक केन्द्रीय सरकार ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। सौभाग्यवश इस क्षेत्र में अनेक प्रकार के कच्चे माल उपलब्ध हैं।

लेकिन अभाग्यवश इस क्षेत्र में न तो सार्वजिनिक क्षेत्र में, न निजी क्षेत्र में, न सहकारी क्षेत्र में और न संयुक्त क्षेत्र में कोई उद्योग लगाया गया है। अतः आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार से निम्न निवेदन करना चाहता हूँ कि इस निर्वाचन क्षेत्र को पिछड़ा हुआ क्षेत्र घोषित किया जाए तथा उरुवा बड़हलगंज के बीच में सूती मिल, गन्ने की मिल, पांडेपुर में ऊनी मिल, चौरी-चौरा में चमड़े का कारखाना लगाया जाए, जिससे इस क्षेत्र का पिछड़ापन दूर हो सके।

(v) Need To Give More Time For Telugu Programmes Over The TV And AIR

*SHRI P. PENCHALAIAH (Tirupathi) : Telugu is the largest spoken language in the country after Hindi. In addition to 6 crores of people living in Andhra Pradesh, there are a large number of Telugu people living in other parts of the country. But, unfortunately, this language is being neglected both on AIR and TV. Telugu programmes telecast on hook up during 15-8-82 to 31-3-83 were only of 30 minutes duration out of 365 hours. It is barely 0.1% whereas other regional languages got a major share. Telugu is a sweet language and known as the Italian of the East, Even the non-Telugu people do not find it difficult to understand. Moreover, Telugu happens to be the language in

*The original speech was delivered in Telugu.